

दिनांक 24/8/26 को सम्पन्न परिवाद समिति की बैठक की कार्यवाही।

पटना पश्चिम पथ प्रमंडल, पटना के अन्तर्गत पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-43B/OPRMC-III/ Patna West for the year 2026-33 कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में प्राप्त परिवाद पर विभागीय पत्रांक-2217(E) दिनांक-01.04.2026, पत्रांक-2360(E) दिनांक-09.04.2026 एवं पत्रांक-5625(E) दिनांक-17.08.2026 द्वारा गठित समिति की बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति:

- श्री उमा कान्त रजक, अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- श्री अभिषेक पलासिया, संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- श्री राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- श्री राजकुमार, मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

2. दिनांक-13.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही, जो उपभागीय ज्ञापांक-2679 दिनांक-13.08.2026 द्वारा संसूचित है, में लिये गये निर्णय के विरुद्ध प्राप्त परिवाद पर मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2829(अनु०) दिनांक-22.08.2026 के माध्यम से परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही एवं अनुशंसा के आधार पर विवरणी निम्नवत् है :-

- 2.1 कार्य का नाम एवं पैकेज संख्या : पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.- 43B/OPRMC-III/ Patna West for the year 2026-33
- 2.2 योजना मद : 3054
- 2.3 निविदा आमंत्रित करने वाले प्रमंडल का नाम : पटना पश्चिम पथ प्रमंडल, पटना
- 2.4 प्रशासनिक स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग : ₹23825.44 लाख।
विभागीय ज्ञापांक-3247(एस०) दिनांक-12.05.2026
- 2.5 तकनीकी स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग : ₹27659.68 लाख, उपभागीय पत्रांक-1680 (अनु०), दिनांक-22.05.2026
- 2.6 ECV/परिमाण विपत्र की राशि : ₹24532.17105 लाख।
- 2.7 कार्य समाप्ति की अवधि : 84 (Eighty-four) Months.
- 2.8 निविदा की प्रक्रिया : ई-टेंडरिंग (MBD)
- 2.9 निविदा प्राप्ति की तिथि : 03.07.2026
- 2.10 प्राप्त निविदा क्या पुनर्निविदा है यदि हाँ तो कारण : पुनर्निविदा नहीं है।

3. विषयांकित निविदा में निम्नलिखित 05 (पाँच) संवेदकों द्वारा भाग लिया गया :-

- (1) M/s Amhara Construction Pvt. Ltd. (2) M/s Adarsh Construction
(3) M/s Mother India Construction Pvt. Ltd. (4) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd.
(5) Avednex Pvt. Ltd.

4. उपरोक्त कार्य की निविदा में कुल 05 (पाँच) निविदाकारों यथा-(i) M/s Amhara Construction Pvt. Ltd. (ii) M/s Mother India Construction Pvt. Ltd. (iii) M/s Adarsh Construction (iv) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. एवं (v) Avednex Pvt. Ltd. द्वारा भाग लिया गया है।

दिनांक-13.08.2026 को तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति द्वारा 05 (पाँच) निविदाकारों में 02 (दो) निविदाकार (i) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.1 (b) एवं Clause 2.2.2 के तहत एवं (ii) Avednex Pvt. Ltd. को MBD में वांछित कोई भी कागजात Upload नहीं करने के कारण तकनीकी बीड में असफल तथा शेष 03 (तीन) निविदाकार यथा-(i) M/s Mother India Construction Pvt. Ltd. (ii) M/s Adarsh Construction एवं (iii) M/s Amhara Construction Pvt. Ltd. को तकनीकी बीड में सफल घोषित किया गया।

5. उपभागीय ज्ञापांक-2679 दिनांक-13.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-13.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की निर्णय के विरुद्ध विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक-S&P/Admin/2026-27/179 दिनांक-14.08.2026 के द्वारा परिवाद/अभ्यावेदन/आपत्ति समर्पित किये जाने के परिप्रेक्ष्य में मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2829(अनु०) दिनांक-22.08.2026 द्वारा परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की बैठक की कार्यवाही एवं अनुशंसा समर्पित की गई है।

4. **परिवाद :-** उपरोक्त तकनीकी बीड में असफल निविदाकार M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक-S&P/Admin/2026-27/179 दिनांक-14.08.2026 द्वारा विषयांकित कार्य के तकनीकी बीड मूल्यांकन पर परिवाद प्राप्त हुआ है, जो निम्नवत् है :-

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
1.	S&P Infrastructure Developers(P) Ltd.	Alleged declaration as Non-Performer Clause 2.2.2 of Section 3, read with Form CON-1, says that contract non-performance during the last five years can be considered only when the dispute has been fully settled. It also explains that a dispute is fully settled only after it has been decided under the contract and all available appeals have been completed. In our case, there is no such final	कार्यपालक अभियंता, शाहाबाद पथ प्रमंडल, आरा का पत्रांक-3528 दिनांक-31.12.2025 पत्रांक-1167 दिनांक-30.03.2026, पत्रांक-1682 दिनांक-25.05.20	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवंनिर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		decision. A rectification notice, departmental letter, internal remark, or pending dispute cannot by itself prove that a contractor is a Non-Performer under Clause 2.2.2. We have never received any show-cause notice or final order declaring us a Non-Performer for the Ara-Chapra via Babura-Doriganj Road work. The technical evaluation also does not mention the number, date, issuing authority, or validity of the alleged order. We therefore request you to provide us a copy of the order relied upon. Until such a final order is shown, this reason should not be used to reject our Bid. The Ara-Chapra via Babura-Doriganj Road work has already been completed. After completion, the Executive Engineer issued a letter dated 08.06.2026 <u>for some rectification work</u>. We responded and arranged the required manpower and machinery. The work took some time because resources had to be arranged again and permission was required from the District Administration for traffic management. These facts were explained in our letters dated 13.07.2026 and 01.08.2026. This is only a rectification matter after completion of the work. It has not been finally decided against us under the contract. Therefore, it should not be treated as poor performance or as a ground for rejecting our Bid under Clauses 1.2.1(b) and 2.2.2. Declaring a contractor as a Non-Performer has serious effects on its business. Before taking such action, the contractor must be issued the Show Cause Notice of the proposed action and given a proper chance to explain its case. We were not given any such notice or opportunity and even also not been issued a formal letter declaring us a Non-Performer. Therefore, application of Clauses 1.2.1(b) and 2.2.2 for dis-qualification is beyond the terms of the	26 एवं अधीक्षण अभियंता का पत्रांक-1234 (अनु०), दिनांक-18.06.2026 जो कि परिवाद में संलग्न है, से स्पष्ट है कि क्षेत्रीय अभियंताओं द्वारा कार्य करने हेतु निदेशित किया गया है, परन्तु संवेदक द्वारा कार्य नहीं किया गया है। कार्यपालक अभियंता द्वारा स्पष्ट लिखा गया है कि TTRI के जाँच प्रतिवेदन से स्पष्ट होता है कि आपके द्वारा आरा- छपरा भाया बबुरा पथ के चैनेज 8 से 9 कि०मी० में कराये गये PQC कार्य Specification के अनुरूप नहीं है। अतः अपने खर्च पर उक्तकार्य का Dismantle कर पुनः Specification के अनुरूप PQC	

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवंनिर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		tender. Certificate for ongoing works The second reason says that the Engineer-in-Charge certificate for one ongoing work was not uploaded as required under Clause 1.2.3 of Section 3, Section 4E.10/Form FIN-4, and Serial No. 39 of the NIT. However, the evaluation does not mention which work or certificate is missing. It also does not show the amount taken for that work or the calculation of our bid capacity. We had disclosed all our ongoing works in the Bid and submitted the certificates available with us. Copies of the certificates are again enclosed for easy reference. We had given the name of each project, the employer, contract amount, completion period, and balance commitment. We did not hide any work or liability. In EPC contracts, the officer performing the role of Engineer-in-Charge is generally called the Authority's Engineer or Authority Engineer under Article 18 of the EPC Agreement. Therefore, a certificate issued by the competent Authority Engineer should be accepted even though the designation is different. We are not asking for any change in our Bid or for adding any new experience or qualification. We are only asking for confirmation of the information already submitted with the Bid. Under ITB Clauses 22 and 25, the Authority may ask the bidder for clarification or supporting documents, provided that the Bid price and its main contents are not changed. The required confirmation would only verify the details already given in Form FIN-4 and would not change our Bid in any manner. The issue relates to only one work out	कार्य कराना सुनिश्चित करें। निविदाकार का उक्त कार्य MBD Section-3 की कंडिका 1.2.1 (b) poor performance की श्रेणी में आता है। अतः परिवाद का आरोप मान्य नहीं है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		of around 30 works disclosed by us. If there was any doubt, the Authority could have asked us for clarification. It could also have taken the full balance value of that work while calculating our bid capacity and checked whether we still met the requirement. We therefore request the Evaluation Committee to tell us which certificate is considered missing and provide the bid-capacity calculation. We are ready to submit the required confirmation from the Authority Engineer/Engineer-in-Charge immediately. In view of the above, the Bidder respectfully requests that the competent authority to declare our bid responsive/qualified in accordance with tender documents and open our Financial bid. This representation is made bona fide and without prejudice to all contractual, statutory, and constitutional rights and remedies available to the Bidder. The Bidder requests a speaking decision before the Financial Bids are opened and communicated to it at the earliest.	NIT की कंडिका-28 के अनुसार Existing Commitment of ongoing work के सूची में सभी कार्य के Supporting document EIC द्वारा निर्गत पत्र Upload किया जाना आवश्यक है। अतः परिवाद में उल्लेखित बिन्दु को अमान्य किया जाता है।	

5. परिवाद की समीक्षा एवं तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा:-

समिति द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक-13.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को यथावत् रखने की अनुशंसा की जाती है।

6. Package संख्या-45A में Bhardwaj Construction द्वारा Mother India Construction Pvt. Ltd. के विरुद्ध परिवाद दिया गया है कि इन्होंने वाद संख्या CWJC No2824/2025 को Pending Litigation में नहीं दर्शाया गया है, जाँचोपरान्त पाया गया कि Mother India Construction Pvt. Ltd. द्वारा इस निविदा में भी उक्त वाद को Pending Litigation में नहीं दर्शाया गया है।

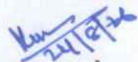




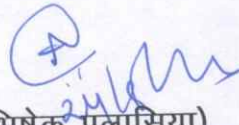


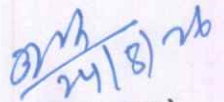
8. परिवाद समिति का निर्णय :-

- (i) विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक— S&P/Admin/2026-27/179 दिनांक— 14.08.2026 के द्वारा दिए गए परिवाद/आपत्ति को अमान्य करने का निर्णय लिया जाता है।
- (ii) 03 (तीन) निविदाकार (i) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.1 (b) एवं Clause 2.2.2 के तहत (ii) M/s Mother India Construction Pvt. Ltd. को MBD Section 3 Clause 2.2.1 के तहत एवं (iii) Avednex Pvt. Ltd. को MBD में वांछित कोई भी कागजात Upload नहीं करने के कारण तकनीकी बीड में असफल घोषित करने का निर्णय लिया जाता है।
- (iii) शेष 02 (दो) निविदाकार यथा—(i) M/s Adarsh Construction एवं (ii) M/s Amhara Construction Pvt. Ltd. को तकनीकी बीड में सफल घोषित करने का निर्णय लिया जाता है।
- (iv) उपभागीय ज्ञापांक-2679 दिनांक-13.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-13.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को यथावत् रखा जाय।
- (v) मुख्य अभियंता, दक्षिण संबंधित परिवादी बीडर को समिति के निर्णय से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।
- 8.1 परिवाद समिति की इस कार्यवाही को विभागीय वेबसाईट पर भी डाली जाय।


(राजकुमार)
मुख्य अभियंता,
दक्षिण, पथ निर्माण
विभाग, बिहार, पटना।


(राजेश कुमार गुप्ता)
मुख्य अभियंता, संविदा
प्रबंधन, नीतिगत मामले
एवं लेखा परीक्षा,
पथ निर्माण विभाग,
बिहार, पटना।


(अभिषेक पलासिया)
संयुक्त सचिव,
पथ निर्माण विभाग,
बिहार, पटना।

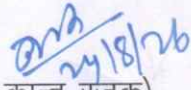

(उमा कान्त रजक)
अभियंता प्रमुख-सह-अपर
आयुक्त-सह-विशेष सचिव
(कार्य प्रबंधन),
पथ निर्माण विभाग,
बिहार, पटना।

ज्ञापांक: प्र0-7/निविदा-03-102/2026

5866(E)

पटना, दिनांक 24/8/26

प्रतिलिपि:— मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना/ मुख्य अभियंता(अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित/ आई0टी0 मैनेजर, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।


(उमा कान्त रजक)

अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव(कार्य प्रबंधन),
पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना।